अब सवाल यह है कि एक वास्तविक संत या महापुरूष को कैसे पहचाना जाए जो हमारा मार्गदर्शन कर सके।

यह बेहद मुश्किल काम है। क्योंकि वास्तविक और नकली में कोई बाहरी अंतर नहीं है। दोनों एक ही बात करते हैं। इसके अलावा, कई बार वास्तविक संत एक मायिक व्यक्ति की तरह व्यवहार करते हैं और खुद को धन, काम, क्रोध आदि की सभी गतिविधियों में संलग्न करते हैं। इसलिए यह कार्य दोगुना जटिल हो जाता है। किसी तरह हमें असली को नकलीयों से अलग करना होगा। आईए हम कुछ गाइड लाइन पर विचार करते है।

हिंदू कहते हैं कि एक संत को सभी शास्त्रों का ज्ञान और दिव्य अनुभव होना चाहिए। यदि आप शास्त्र ज्ञान का पहला मानदंड लागू करते हैं, तो अधिकांश नकली संतों को फ़िल्टर किया जाता है। इस्लाम इस बात को नही मानता की मोहम्मद पैगंबर के कद का कोई इस दुनिया में फिर आ सकता है, इसलिए किसी भी वास्तविक संत के लिए इस्लामी दुनिया में खोज करने का कोई मतलब नहीं है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132

असली महापुरूष की पहेचान के लिए निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

1. वह कभी वरदान या शाप नहीं देता।
2. वह कभी भी किसी भी भौतिक वस्तु जैसे पैसे, बच्चे, नौकरी आदि का वादा नहीं करता।
3. वह कभी चमत्कार नहीं करता।
4. वह किसी के कान फूँककर शिष्य नहीं बनाता ।
5. वह ईश्वर को याद करने पर जोर देगा।

6. वह परमेश्वर के बारे में आपकी सभी वास्तविक शंकाओं को दूर कर देगा।
7. वह विभिन्न युक्तियों के माध्यम से साधना में आपकी सहायता करेगा।
8. वह आपको ईश्वरप्राप्ति की ओर चलने के लिए प्रेरित करेगा।
9. उसके शब्दों में भगवत् प्रेम का वजन रहता है। इसलिए उसके शब्द आप पर जादा असर डालते है।
10. ईश्वरप्राप्ति के पहले महापुरूष आपको ईश्वरीय जगत के कुछ अनुभव भी करा सकता है, जिससे आप की साधना की स्पीड तेज होती है। लेकिन ऐसे अनुभव के लिए प्रथम भगवान के अस्तित्व को मानकर साधना करके अंतःकरण एक स्तर तक शुद्ध करना पड़ता है। ये अनुभव माईलस्टोन है जो आपको विश्वास दिलाते है कि आप सही रास्ते पर है और आप एक दिन मुकाम पर जरूर पहुँचेगे।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132